॥ श्री शारदा माता जी की आरती ॥

भुवन् विराजी शारदामहिमा अपरम्पार।
भक्तों के कल्याण कोधरो मात अवतार॥

मैया शारदा तोरे दरबार
आरती नित गाऊँ। (three times)

नित गाऊँ मैयानित गाऊँ। (Two Times)
मैया शारदा तोरे दरबारआरती नित गाऊँ। (Two Times)
श्रद्धा को दीया प्रीत की बातीअसुअन तेल चढ़ाऊँ। (Two Times)
दर्श तोरे पाऊँ।

मैया शारदा तोरे दरबार
आरती नित गाऊँ। (three times)

मन की माला आँख के मोतीभाव के फूल चढ़ाऊँ। (Two Times)
दर्श तोरे पाऊँ।

मैया शारदा तोरे दरबार
आरती नित गाऊँ। (three times)

बल को भोग स्वांस दिन रातीकंधे से विनय सुनाऊँ। (Two Times)
दर्श तोरे पाऊँ।

मैया शारदा तोरे दरबार
आरती नित गाऊँ। (three times)

तप को हार कर्ण को टीकाध्यान की ध्वजा चढ़ाऊँ। (Two Times)
दर्श तोरे पाऊँ।

मैया शारदा तोरे दरबार
आरती नित गाऊँ। (three times)

माँ के भजन साधु सन्तन कोआरती रोज सुनाऊ। (Two Times)
दर्श तोरे पाऊँ।

मैया शारदा तोरे दरबार
आरती नित गाऊँ। (three times)

सुमर-सुमर माँ के जस गावेचरनन शीश नवाऊँ। (Two Times)
दर्श तोरे पाऊँ।

मैया शारदा तोरे दरबार
आरती नित गाऊँ। (three times)

मैया शारदा तोरे दरबारआरती नित गाऊँ। (Two Times)

मैया शारदा तोरे दरबार
आरती नित गाऊँ। (three times)

www.HindiSwaraj.com